अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 29 जुलाई, 2018)

समय : 3 घण्टे **अंक : 100**

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) जैन धर्म में देव कहते हैं-

(क) आचार्य को (ख)अरिहंतों को

(ग) उपाध्याय को (घ) साधुओं को ( )

(b) रत्नत्रय की आराधना को सर्वाधिक महत्त्व देने वाला धर्म है-

(क) जैन धर्म (ख) बोद्ध धर्म

(ग) हिन्दू धर्म (घ) मुस्लिम धर्म ( )

(c) जैन धर्म की आधारशिला है-

(क) शारीरिक विजय (ख) मानसिक विजय

(ग) भौतिक विजय (घ) आध्यात्मिक विजय ( )

(d) समभाव की साधना को कहते हैं-

(क) संवर (ख) प्रतिक्रमण

(ग) सामायिक (घ) पौषध ( )

(e) दर्शन का भेद नहीं है-

(क) चक्षुदर्शन (ख) अचक्षुदर्शन

(ग) अवधि दर्शन (घ) मनो दर्शन ( )

(f) सातवाँ बोल है-

(क) पर्याप्ति छह (ख) इन्द्रिय पाँच

(ग) शरीर पाँच (घ) जाति पाँच ( )

(g) भगवान महावीर स्वामी की पुत्री का नाम था-

(क) मंगला (ख) सुन्दरा

(ग) प्रियदर्शना (घ) यशोदा ( )

(h) 'महावीर स्तुति' के रचयिता हैं-

(क) केवल मुनि (ख) दर्शन मुनि

(ग) अशोक मुनि (घ) प्रमोद मुनि ( )

(i) 21वें तीर्थंकर हैं-

(क) श्री पार्श्वनाथजी (ख) श्री अरिष्टनेमिजी

(ग) श्री नमिनाथजी (घ) श्री मुनिसुव्रतजी ( )

(j) भगवती सूत्र में विनय के भेद बताये गये हैं-

(क) 08 (ख) 12

(ग) 07 (घ) 06 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) जैन धर्म व्यक्ति पूजक नहीं, गुणपूजक धर्म है। ( )

(b) अनुकूल वस्तु पाकर प्रसन्न होना 'राग' कहलाता है। ( )

(c) देव को प्रथम वन्दनीय कहा है। ( )

(d) शब्द के अंत में अनुस्वार आने पर उसका उच्चारण 'म' होता है। ( )

(e) 'करेमि भंते' के पाठ को सामायिक प्रतिज्ञा सूत्र भी कहते हैं। ( )

(f) दसवाँ गुणस्थान सूक्ष्म सम्पराय है। ( )

(g) स्पर्शनेन्द्रिय के 60 विकार होते हैं। ( )

(h) छठा बोल शरीर पाँच नहीं है। ( )

(i) भगवान महावीर ने 28 वर्ष की उम्र में दीक्षा ग्रहण की। ( )

(j) 17वें तीर्थंकर श्री अरनाथजी है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरा सामान्य अर्थ 'कत्तर्व्य' होता है। .....

(b) मेरे द्वारा व्यक्ति राग-द्वेष में सम रहना सीखता है। .....

(c) मैं तीर्थंकरों की स्तुति का पाठ हूँ। .....

(d) मेरा अन्य नाम प्रणिपात सूत्र भी है। .....

(e) सामायिक व्रत ग्रहण करते समय मेरा कायोत्सर्ग किया जाता है। .....

(f) मैं पच्चीस बोल का नवाँ बोल हूँ। .....

(g) मैं दसवें बोल का दूसरा कर्म हूँ। .....

(h) मैने साहरण की रात्रि में 14 शुभस्वप्न देखें। .....

(i) मैं 'नवकार मंत्र है महामंत्र' प्रार्थना का रचयिता हूँ। .....

(j) मैं मानव जीवन का भयंकर कोढ़ हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **देव कितने प्रकार के होते हैं ? नाम लिखिए।**

.....

.....

(b) **'गुरु' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(c) **तीर्थंकर किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(d) **प्राकृत भाषा में कौनसे अक्षर नहीं होते हैं ?**

.....

.....

(e) **सामायिक से सम्बन्धित मन के कोई चार दोषों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(f) **कायोत्सर्ग शुद्धि का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

(g) **सामायिक समाप्ति सूत्र के निम्न पाठांश को पूर्ण कीजिए-**

सामाइयं सम्मं .....

..... **दुक्कडं।**

(h) **नौवें बोल के आधार पर पाँच ज्ञान के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **चक्षुरिन्द्रिय के विषय तथा विकार समझाकर लिखिए।**

.....

.....

(j) **पच्चीस बोल का छठा बोल लिखिए।**

.....

.....

(k) **भगवान महावीर का कितने दिन के तप का अभिग्रह कहाँ पर तथा किसके द्वारा पूर्ण हुआ ?**

.....

.....

(l) **प्रार्थना को पूर्ण करके लिखिए-**

जो. .....

.....ज्ञानी को।।

(m) **अभिगम किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(n) **ज्ञान-विनय किसे कहते हैं ?**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **क्या अरिहन्त हमें सुखी व दुःखी बना सकते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(b) **श्रद्धा एवं पालन करने की अपेक्षा से जैन के तीन प्रकार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **अरिहन्त व सिद्ध में क्या-क्या भेद हैं ?**

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **शुद्ध उच्चारण क्यों आवश्यक है ?**

.....

.....

.....

.....

(e) **सामायिक का प्रमुख उद्देश्य क्या है ?**

.....

.....

.....

.....

(f) **''लोगहियाणं .....धम्मसारहीणं। उक्त पाठ को पूर्ण करके लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **वचन के दस दोषों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **आठवें बोल में काया के योगों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **घ्राणेन्द्रिय के विषय एवं विकार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **भगवान महावीर की जीवनी से मिलने वाली कोई तीन शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **''श्रीपाल.....मंगलकारी हो।'' उक्त प्रार्थना को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **''हो लाख.....गामी की।'' उक्त प्रार्थना को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **व्यक्ति किन-किन कारणों से शिकार करता है ? उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **विनय का महत्त्व तीन-चार पंक्तियों में लिखिए।**

.....

.....

.....

.....